आदिवासियों के विकास की इबारत लिखती टामटिया लैम्प्स

गांव की सहकारी समिति को आर्थिक गतिविधियों का हब बनाने के सपने को पूरा करती आदिवासी जिले डूंगरपुर के सागवाड़ा तहसील की टामटिया वृहत् कृषि बहुउद्देशीय सहकारी समिति लैम्प्स विकास के नित नए आयाम स्थापित कर रही है। लैम्प्स के सदस्यों, संचालकों और व्यवस्थापक व कार्मिकों के संयुक्त प्रयास, सहकारी अधिकारियों के मार्गदर्शन और कुछ नया करने की ललक से टामटिया लैम्प्स विशिष्ठ स्थान बनाते हुए आदर्श समिति बन गई है। एक ही परिसर में फसली सहकारी ऋण वितरण के साथ ही खाद-बीज का भण्डारण व वितरण, मिनी बैंक का संचालन, सीमेंट की एजेन्सी व बिक्री, पेंशन योजनाओं को ग्रामीणों, महिलाओं व मनरेगा श्रमिकों को लाभ और उचित मूल्य पर उपभोक्ता सामग्री वितरण के लिए उपहार मिनी सुपर मार्केट का संचालन सहित बहुआयामी गतिविधियों का संचालन कर एक मिसाल कायम की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे उदयपुर संभाग में जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान 19 अगस्त को अचानक ही टामटिया लैम्प्स पहुंच गई और वहां की गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण कर इस कदर प्रभावित हुई कि आदिवासी इलाके की सभी लैम्प्स को इसी तरह से विकसित करने के निर्देश दे दिए। स्वयं मुख्यमंत्री ने टामटिया लैम्प्स के उपहार सुपर मार्केट की गतिविधियां देखी और टॉफियां खरीदी और जनसुनवाई के दौरान स्कूलों के निरीक्षण के समय बच्चों को टॉफिया वितरित की।

1954 में पंजीकृत और 1982 में पुनर्गठित टामटिया लैम्प्स डूंगरपुर सागवाड़ा मुख्य मार्ग पर स्थित है। समिति का अपना निजी भवन है। इसमें मिनी बैंक, सुपर मार्केट, खाद-बीज बिक्री केन्द्र, पीडीएस बिक्री केन्द्र, सीमेंट बिक्री केन्द्र, गोदाम आदि है। लैम्प्स के 1185 सदस्य है जिसमें से सर्वाधिक 589 अनुसूचित जनजाति एवं 584 सदस्य ओबीसी के हैं। 35 महिलाएं भी इसकी सदस्य है।

कारोबार

टामटिया लैम्प्स के **अध्यक्ष श्री धूल जी पाटीदार** ने बताया कि सदस्य किसानों को समय पर ऋण, खाद-बीज आदि की व्यवस्था की जाती है। इस वर्ष खरीफ में 348 किसानों को एक करोड़ 45 लाख रुपए के फसली ऋण वितरित किए जा चुके हैं। गत वर्ष खरीफ और रबी में मिलाकर 2 करोड़ 13 लाख रुपए के फसली ऋण वितरित किए गए थे। समिति द्वारा 87 लाख रुपए के मध्यकालीन ऋण भी वितरित किए गए हैं।क्षेत्र के काश्तकार सदस्यों को 34 लाख 26 हजार रु. के खाद-बीज वितरित किए गए हैं। समिति ने नवाचार कार्यक्रमों के तहत सीमेंट का व्यवसाय शुरु किया है। गत वर्ष 21 लाख रुपए से अधिक की सीमेंट, 9 लाख 47 हजार रुपए का सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत कारोबार किया गया।

टामटिया लैम्प्स द्वारा संचालित सुपर मार्केट के प्रति क्षेत्र के निवासियों के विश्वास के कारण गत वर्ष 31 लाख रुपए की उपभोक्ता सामग्री की बिक्री की गई।

समिति में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज की उपलब्धता बनी हुई है।152 किसानों को एसएसपी के बेगों का नि:शुल्क वितरण किया गया है। समिति निरंतर लाभ में काम कर रही है।गत वित्तीय वर्ष में 7 लाख 60 हजार रुपए का लाभ रहा है।

मिनी बैंक का संचालन

व्यवस्थापक श्री सोहन लाल सेवक ने कहा कि टामटिया लैम्प्स द्वारा मिनी बैंक का सफलता पूर्वक संचालन किया जा रहा है। मिनी बैंक में 5 करोड़ की जमाएं होना इस बात का संकेत है कि क्षेत्र के लोगों का समिति में विश्वास है। 5540 खातों का संचालन करने के साथ ही मनरेगा श्रमिकों को भुगतान, एफडी, बचत खाता आदि की सुविधा दी जा रही है। मिनी बैंक में 2320 मनरेगा श्रमिकों के खाते हैं। आपदा राहत के तहत समिति के 3209 किसानों को 34 लाख 38 हजार रुपए की सहायता राशि वितरण हेतु प्राप्त हुई है जिसमें से अधिकांश राशि के वितरण के साथ ही शेष राशि का वितरण जारी है।

> "प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा किसी सहकारी संस्था का औचक निरीक्षण कर उसकी कार्यप्रणाली की सराहना करना सहकारी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। प्रदेश की सहकारी संस्थाओं को इससे प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ने का संकल्प लेना होगा।"